Parvatibai Chowgule College of Arts and Science
(Autonomous)

Accredited by NAAC with Grade 'A+'
Best Affiliated College-Goa University Silver Jubilee Year Award

DEPARTMENT OF HINDI

SYLLABUS FOR THREE/FOUR YEAR UNDERGRADUATE DEGREE HONOURS OR HONOURS WITH RESEARCH

PROGRAMME IN B.A.

(Implemented from the Academic Year 2023-2024 onwards)

COURSE STRUCTURE

SEMESTER	MAJOR CORE	MINOR/ VOCATIONAL	MULTIDISCIPLINARY COURSE (MDC)	VALUE ADDED COURSES (VAC)	ABILITY ENHANCEMENT COURSE (AEC)	SKILL ENHANCEMENT COURSE (SEC)
I	**UG- HIN - 101:** हिंदी कहानी एवं शब्दसाधन	**UG-HIN-102:** हिंदी गीत: परंपरा और प्रयोग	**UG-HIN-MDC1:** सृजनात्मक लेखन	**UG-HIN-VAC1:** योग शिक्षण **UG-HIN - VAC2:** भारतीय संविधान :एक परिचय	**UG-___-AEC1: (for English)**	**UG-HIN - SEC1:** हिंदी पथनाट्य नुक्कड़) (नाटक
II	**UG-HIN-103:** हिंदी कविता एवं काव्यसौंदर्य	**UG-HIN - 104:** हिंदी लघुकथा	**UG- HIN - MDC2:** व्यावहारिक एवं रचनात्मक लेखन	**UG- HIN - VAC3:** गोवा प्रदेश और पर्यटन	**UG- HIN -AEC1:** श्रवण एवं संभाषण कौशल **(for MIL)** **UG-___-AEC2: (for English)**	**UG- HIN - SEC2:** हिंदी एकांकी
III	**UG- HIN - 201:** हिंदी नाटक: वृत्तचित्र एवं फीचर फिल्म	**UG- HIN -203 :**हिंदी निबंध	**UG- HIN - MDC3:** लोक साहित्य	--------	**UG -HIN -AEC2:** वाचन एवं लेखन कौशल **(for MIL)**	**UG- HIN - SEC3:** हिंदी साहित्य और सिनेमा
	UG- HIN - 202: हास्य-व्यंग्य निबंध एवं पत्रकारिता					
IV	**UG- HIN - 204:** हिंदी साहित्य का इतिहास (आदिकाल, भक्तिकाल एवं रीतिकाल	**UG- HIN –VOC 1** हिंदी अनुवाद				
	UG- HIN - 205: मध्यकालीन काव्य चयनित					

	कविताएँ					
	UG- HIN - 206: प्रयोजनमूलक हिन्दी: अनुवाद एवं पत्रलेखन					
	UG-HIN - 207: विशेष अध्ययन : हिन्दी कहानी					
V	**UG- HIN - 301:** हिंदी साहित्य का इतिहास (आधुनिक काल)	**UG- HIN –VOC 2** ई-पत्रकारिता				
	UG- HIN - 302: भारतीय काव्यशास्त्र					
	UG- HIN - 303: हिन्दी पत्रकारिता : मुद्रित एवं इलेक्ट्रॉनिक					
VI	**UG- HIN - 304:** पाश्चात्य काव्यशास्त्र	**UG- HIN –VOC3** मनोरंजन क्षेत्र और हिंदी				
	UG- HIN - 305: विशेष अध्ययन: हिंदी उपन्यास					
	UG- HIN - 306: हिंदी भाषा, लिपि एवं व्याकरण					
	UG- 307HIN -PRJ:					
VII	**UG- HIN -**	**UG- HIN**				

	401: भाषाविज्ञान	**-405** हिंदी महिला लेखन				
	UG- HIN - 402: मीडिया लेखन :रेडियो एवं टेलीविजन					
	UG- HIN - 403:कथेत्तर गद्य साहित्य : रेखाचित्र,संस्मरण,यात्रावृतांत, आत्मकथा एवं जीवनी (किसी विधा की एक पाठ्यपुस्तक)					
	UG- HIN - 404: नाटक एवं रंगमंच					
VIII	**UG- HIN - 406:** भारतीय साहित्य	**UG- HIN -410** हिंदी दलित लेखन				
	UG- HIN - 407: हिंदी साहित्य में विविध विमर्श					
	UG- HIN - 408: आलोचक और आलोचना					
	UG- HIN - 409: आधुनिक हिन्दी साहित्य की वैचारिक पृष्ठभूमि					

*** Implementation of fourth year (Semester VII & VIII) is subject to approval from DHE**

SEMESTER I

DISCIPLINE SPECIFIC CORE COURSE

F.Y.B.A - (Semester – I)
Core Course
Course Title: हिंदी कहानी एवं शब्द साधन
Course Code: UG-HIN-101
Credits: 04
Marks: 100
Duration: 60 Hours

Course Objective:

1) हिंदी कहानी की अवधारणा एवं स्वरूप से परिचित कराना।
2) हिंदी कहानी एवं कहानिकारों के विकासक्रम से अवगत कराना।
3) व्याकरण से परिचित कराना।
4) कहानियों के माध्यम से जीवन मूल्यों से परिचित, प्रभावित तथा कहानी लेखन की ओर अग्रसर होंगे।

Course Outcome:

1) कहानी की अवधारणा एवं स्वरूप से परिचित होंगे।
2) हिन्दी कहानी एवं कहानीकारों की जानकारी एवं हिंदी कहानी के विकासक्रम को समझेंगे।
3) व्याकरण को समझने में सक्षम होंगे तथा व्याकरणिक दृष्टि से हिन्दी शुद्ध लेखन में भी प्रवीण होंगे।
4) कहानियों के माध्यम से जीवन मूल्यों से परिचित, प्रभावित तथा कहानी लेखन की और अग्रसर होंगे।

Syllabus:

कहानी संग्रह : हिंदी विभाग पार्वतीबाई चौगुले कॉलेज मडगांव-गोवा
(बी. ओ. एस. की सहमति के अनुसार संकलित कहानी संग्रह)

व्याकरण :शब्द के भेद, वर्तनी एवं शुध्दलेखन, शब्दयुग्म, मुहावरे, पर्यायवाची शब्द, वाक्यांश के लिए एक शब्द, कारक का सामान्य परिचय।

इकाई विभाजन:

इकाई एक : पूर्व प्रेमचंद युगीन कहानी (15 Lectures)

1. उसने कहा था - चंद्रधर शर्मा गुलेरी।
2. दुलाईवाली - बंग महिला
3. इंदुमति - किशोरीलाल गोस्वामी

इकाई दो : प्रेमचंद युगीन कहानी (15 Lectures)

1. दो बैलों की कथा - प्रेमचंद
2. हार की जीत - सुदर्शन
3. परदा - यशपाल।

इकाई तीन : प्रेमचंदोत्तर युगीन कहानी (15 Lectures)

1. मलबे का मालिक - मोहन राकेश
2. गोपाल को किसने मारा - मन्नू भण्डारी
3. बांस - काशीनाथ सिंह

इकाई चार: शब्द साधन (15 Lectures)

1. शब्द के भेद।
2. लिंग, वचन एवं कारक
3. शब्दयुग्म।
4. विलोम एवं पर्यायवाची शब्द
5. वाक्यांश के लिए एक शब्द
6. मुहावरे एवं लोकोंक्तियाँ
7. वर्तनी एवं शुद्धलेखन।

संदर्भ ग्रंथ :-

1. डॉ ,नामवर सिंह .'कहानी नयी कहानी', लोकभारती प्रकाशन 2016 ,इलाहाबाद ,
2. मधुरेश ,'हिन्दी कहानी का इतिहास' लोकभारती प्रकाशन इलाहाबाद, 2014
3. गोपालराय,'हिन्दी कहानी का इतिहास',राजकमल प्रकाशन,दिल्ली, 2018
4. रामचंद्र तिवारी, 'हिन्दी का गद्य साहित्य',विश्वविद्यालय प्रकाशन 2016
5. कामताप्रसाद गुरु-'हिन्दी व्याकरण',लोकभारती प्रकाशन 2015 ,इलाहाबाद ,
6. डॉ. ब्रजकिशोर प्रसाद सिंह 'हिन्दी व्याकरण'20 ,नई दिल्ली ,नमन प्रकाशन ,09

F.Y.B.A - (Semester – I)

Core Course

Course Title: हिंदी गीत: परंपरा और प्रयोग

Course Code: UG-HIN-102

Credits : 04

Marks : 100

Duration : 60 Hours

Course Objective:

1) हिंदी गीत की अवधारणा एवं स्वरूप से परिचित कराना।
2) हिंदी गीत के उद्भव एवं विकास से अवगत कराना।
3) हिंदी के प्रमुख गीतकार से परिचित कराना।
4) हिंदी गीतों का विश्लेषणात्मक अध्ययन कराना।

Course Outcome:

1) हिंदी गीत की अवधारणा एवं स्वरूप से परिचित होंगे।
2) हिंदी गीत के उद्भव एवं विकास को समझेंगे।
3) हिंदी के प्रमुख गीतकार से परिचित होंगे।
4) हिंदी गीतों का विश्लेषणात्मक अध्ययन करने में सक्षम होंगे।

Syllabus:

इकाई एक - **(15 Credits)**

हिंदी गीत: अवधारणा, स्वरूप और प्रकार

इकाई दो - **(15 Credits)**

हिंदी गीत: उद्भव एवं विकास

इकाई तीन - **(15 Credits)**

हिंदी के प्रमुख गीतकार

इकाई चार - पाँच गीतों का विश्लेषणात्मक अध्ययन **(15 Credits)**

1) साहिर लुधियानवी - नया दौर (१९५७) ' हो उड़े जब-जब ज़ुल्फें तेरी'
2) शैलेन्द्र - 'श्री ४२०' (१९५५) 'प्यार हुआ इकरार हुआ है'
3) गोपालदास नीरज - कन्यादान (१९६८) 'लिखे जो खत तुझे'

4) आनंद बक्शी - शोले (१९७५) 'महबूबा महबूबा'
5) गुलजार - सदमा (१९८३) 'ऐ जिंदगी गले लगा ले'

संदर्भ ग्रंथ

1) किरन सिंह , 'हिंदी के लोकप्रिय गीतकार', हिंदी पॉकेट बुक्स, 2010
2) ब्रज भूषण तिवारी, 'गीतों का जादूगर शैलेन्द्र',वाणी प्रकाशन 2019
3) कुमुद रस्तोगी, 'हिट फिल्मी गीत - भाग 2' डायमंड पॉकेट बुक्स, 2011
4) कुमुद रस्तोगी, 'हिट फिल्मी गीत - भाग 3' डायमंड पॉकेट बुक्स, 2010
5) कुमुद रस्तोगी, 'हिट फिल्मी गीत - भाग 4' डायमंड पॉकेट बुक्स, 2013
6) कुमुद रस्तोगी, 'हिट फिल्मी गीत - भाग 8' डायमंड पॉकेट बुक्स, 2011
7) नवीन शर्मा, 'फिल्मी गीतों का सफर', नोशन प्रेस, 2021

MULTDISCIPLINARY COURSES (MDC)

F.Y.B.A/ B.Sc. (Semester – I)
MDC (Multidiciplinary Course)
Course Title: सृजनात्मक लेखन
Course Code: UG-HIN-MDC1
Credits : 03
Marks : 75
Duration: 45 Hours

Course Objective:

1) सृजनात्मक लेखन की विविध विधाओं (कविता, कहानी, नाटक, डायरी, यात्रावृत्त) से परिचित कराना।
2) सृजनात्मक लेखन के विविध क्षेत्रों का परिचय कराना।
3) सृजनात्मक लेखन के महत्त्व तथा उपयोगिता से परिचित कराना।
4) सृजनात्मक लेखन प्रक्रिया से अवगत कराना।

Course Outcome:

1) सृजनात्मक लेखन की विविध विधाओं (कविता, कहानी, नाटक, डायरी, यात्रावृत्त) से परिचित होंगे।
2) सृजनात्मक लेखन के विविध क्षेत्रों का परिचय प्राप्त होगा।
3) सृजनात्मक लेखन के महत्त्व तथा उपयोगिता से परिचित होंगे।
4) सृजनात्मक लेखन प्रक्रिया से अवगत होंगे।

Syllabus:

इकाई एक - सृजनात्मक लेखन **(15 Credits)**

अवधारणा एवं स्वरूप
महत्त्व, उद्देश्य, आवश्यकता
लेखन की प्रक्रिया

इकाई दो - कविता एवं कहानी लेखन **(15 Credits)**

कविता एवं कहानी के तत्व

1) वारिस - मोहन राकेश (कहानी)
2) कफ़न- प्रेमचंद (कहानी)

3) अमृतसर आ गया है- भीष्म साहनी (कहानी)

4) अग्निपथ- हरिवंशराय बच्चन (कविता)

5) मुट्ठीभर चावल - ओमप्रकाश वाल्मीकि (कविता)

इकाई तीन - यात्रावृत्त एवं डायरी लेखन **(15 Credits)**

तत्व, प्रकार

1) गोवा की यात्रा - राजीव सक्सेना (यात्रावृत्त)

2) मोहन राकेश - अनीता राकेश (डायरी लेखन के कुछ अंश)

संदर्भ ग्रंथ-

1) डॉ. राजेन्द्र मिश्र, 'सृजनात्मक लेखन', तक्षशिला प्रकाशन, नई दिल्ली, 2015

2) संपा. रमेश गौतम, माधुरी सुबोध, 'रचनात्मक लेखन', भारतीय ज्ञानपीठ-वाणी प्रकाशन, 2022

3) डॉ. बच्चनसिंह, 'आधुनिक हिन्दी साहित्य का इतिहास', लोकभारती प्रकाशन,1994

4) प्रो. हरिमोहन, 'साहित्यिक विधाएँ: पुनर्विचार', वाणी प्रकाशन, 2012

5) डॉ. मधु धवन, 'साहित्यिक विधाएँ : सैद्धांतिक पक्ष', वाणी प्रकाशन

SKILL ENHANCEMENT COURSE (SEC)

F.Y.B.A/B.Sc. (Semester – I)
SEC- (Skill Enhancement Course)
Course Title: हिंदी पथनाट्य (नुक्कड़ नाटक)
Course Code: UG-HIN-SEC1
Credits: 03
Marks: 75
Duration: 45 Hours

Course Objective:

1) पथनाट्य की अवधारणा और स्वरूप के साथ तत्वों का ज्ञान प्राप्त करते हुए लेखन में सार्थक प्रयोग करना।
2) पथनाट्य लेखन एवं प्रस्तुतीकरण कला में निपुण कराना।
3) अभिनय कौशल से अवगत कराना।
4) पथनाट्य के माध्यम से सामाजिक सरोकारों को अभिव्यक्त करना।

Course Outcomes:

1) पथनाट्य की अवधारणा और स्वरूप के साथ तत्वों का ज्ञान प्राप्त करते हुए लेखन में सार्थक प्रयोग कर सकेंगे।
2) पथनाट्य लेखन एवं प्रस्तुतीकरण कला में निपुण होंगे।
3) अभिनय कौशल में सक्षम होंगे।
4) पथनाट्य के माध्यम से सामाजिक सरोकारों को अभिव्यक्त करना।

Syllabus:

इकाई एक: **(15 Lectures)**

1. पथनाट्य की अवधारणा एवं स्वरूप।
2. पथनाट्य का विकास।
3. पथनाट्य के तत्व एवं सरोकार

इकाई दो: **(15 Lectures)**

1. गिरगिट- रमेश उपाध्याय
2. औरत - सफदर हाशमी

इकाई तीन: **(15 Lectures)**

1. जनता पागल हो गई है- शिवराम
2. सबसे सस्ता गोश्त -असगर वजाहत

उपर्युक्त नाटकों का तात्विक विवेचन।

(व्यावहारिक कार्य : हिंदी पथनाट्य : प्राथमिक लेखन, प्रकट वाचन, समूह चर्चा, पुनर्लेखन, पथनाट्य समूह में प्रस्तुतुकरण एवं मूल्यांकन।)

संदर्भ ग्रंथ-

1. कुसुम त्रिपाठी, 'नुक्कड़ नाटक कैसे खेले', आह्वान नाट्य मंच प्रकाशन,बम्बई 1995
2. निदेशालय,प्रौढ़ शिक्षा,नुक्कड़ भाग1 -,2 जामनगर हाऊस, हटमेंटस,नई दिल्ली 1995
3. संअखिलेश कुमार मिश्र .,*'अंधेरनगरी-, भारत दुर्दशा'*,प्रयाग प्रकाशन,इलाहाबाद,1985
4. हिंदी रंगकर्म दशा और दिशा :, जयदेव तनेजा, तक्षशिला प्रकाशन, दिल्ली,1988
5. चन्द्रेश, 'नुक्कड़ नाटक', राधाकृष्ण प्रकाशन नई दिल्ली,1983
6. असगर वजाहत, 'सबसे सस्ता गोश्त',राजपाल एंड सन्स,कश्मीरी गेट,दिल्ली, 2015

VALUE ADDED COURSES (VAC)

F.Y.B.A/B.Sc. (Semester – I)

VAC (Value Added Course)

Course Title: योग शिक्षण

Course Code: UG-HIN-VAC1

Credits: 02

Marks: 50

Duration: 30 Hours

Course Objective:

1) योग की अवधारणा, स्वरूप, महत्त्व, उद्देश्य एवं प्रकार को समझाना।
2) सामाजिक स्वास्थ्य हेतु योग की आवश्यकता को समझाना।
3) योग प्रशिक्षण हेतु तैयार करना।
4) योग के माध्यम से एक सकारात्मक जीवन शैली अपनाने हेतु प्रेरित करना।

Course Outcome:

1) योग की अवधारणा, स्वरूप, महत्त्व, उद्देश्य एवं प्रकार को समझेंगे।
2) सामाजिक स्वास्थ्य हेतु योग की आवश्यकता को समझेंगे।
3) योग प्रशिक्षण हेतु तैयार होंगे।
4) योग के माध्यम से एक सकारात्मक जीवन शैली अपनाने हेतु प्रेरित होंगे।

Syllabus:

इकाई एक - योग का सामान्य परिचय (15 Credits)

योग का अर्थ, परिभाषा एवं स्वरूप।
महत्त्व एवं उद्देश्य
योग के प्रकार (सामान्य परिचय)
(अष्टांग योग, हठयोग, कर्मयोग, भक्तियोग, ज्ञान योग)

इकाई दो - स्वास्थ्य एवं योग (15 Credits)

स्वास्थ्य हेतु योग की आवश्यकता।
रचनात्मक स्वास्थ्य हेतु मन की भूमिका।
स्वस्थ रहने के यौगिक सिद्धांत - आहार, विहार, आचार, विचार
ध्यान के आसन (प्रायोगिक)

योग के आसन (प्रायोगिक)

आसन - ताडासन, धनुरासन, भुजंगासन, पद्मासन, वज्रासन, शवासन, त्रिकोनासना, सर्वांगासन मकरासन, हलासन।

प्राणायाम - अनुलोम विलोम, भ्रामरी, कपालभाती, भस्त्रिका

संदर्भ ग्रंथ -

1) डॉ. विनोद प्रसाद नौटियाल, 'योग और स्वास्थ्य', किताब महल, 2015
2) डॉ. उदय चौहान, 'योग शिक्षा', खेल शिक्षा केंद्र,प्रथम संस्करण 2018
3) मनोज आगरा, 'योगासन एवं प्राणायाम', मनोज प्रकाशन, 2020
4) डॉ. साधना दौनेरिया, 'उच्च शिक्षा के क्षेत्र में योग एवं मूल्यपरक शिक्षा', चौखम्बा सुरभारती प्रकाशन, वाराणसी 2021
5) डॉ. नवीन चंद्र भट्ट, 'योग और स्वास्थ्य', किताब महल, 2022
6) स्वामी विवेकानंद, 'योगाभ्यास और चिंतन', प्रभात पब्लिकेशन, दिल्ली, 2023

VALUE ADDED COURSES (VAC)

F.Y.B.A/B.Sc. (Semester – I)

VAC (Value Added Course)

Course Title: भारतीय संविधान: एक परिचय

Course Code: UG-HIN-VAC2

Credits : 02

Marks : 50

Duration : 30 Hours

Course Objective:

1) भारतीय संविधान का परिचय कराना।
2) भारतीय संविधान की प्रस्तावना से अवगत कराना।
3) भारतीय संविधान में निहित संवैधानिक मूल्यों से अवगत कराना।
4) संवैधानिक अधिकार एवं मानवी कर्तव्यों से परिचित कराना।

Course Outcome:

1) भारतीय संविधान का परिचय प्राप्त होगा।
2) भारतीय संविधान की प्रस्तावना से अवगत होंगे।
3) भारतीय संविधान में निहित संवैधानिक मूल्यों से अवगत होंगे।
4) संवैधानिक अधिकार एवं मानवी कर्तव्यों से परिचित होंगे।

Syllabus:

इकाई एक - भारतीय संविधान: परिचय एवं विशेषताएँ (15 Credits)

भारतीय संविधान का परिचय

भारतीय संविधान की प्रस्तावना

भारतीय संविधान की विशेषताएँ

इकाई दो - भारतीय संविधान : मूल्य, कर्तव्य एवं अधिकार (15 Credits)

संवैधानिक मूल्य

संवैधानिक अधिकार

संवैधानिक कर्तव्य

संदर्भ ग्रंथ -

1) डॉ. बी आर अंबेडकर, 'भारत का संविधान', सुधीर प्रकाशन, जनवरी 2022
2) डॉ. दुर्गा दास बसु,'भारत का संविधान',कैलाश प्रकाशन, नई दिल्ली 2020
3) (भारतीय संविधान एवं संवैधानिक विधि का सरल प्रारूप सभी संशोधन के साथ)'भारत का संविधान', मनोज प्रकाशन, 2010
4) डॉ. प्रमोद कुमार अग्रवाल, भारत का संविधान', प्रभात प्रकाशन

SEMESTER II

DISCIPLINE SPECIFIC CORE COURSE

F.Y.B.A - (Semester – II)
Core Course
Course Title: हिंदी कविता एवं काव्य सौंदर्य
Course Code: UG-HIN-103
Credits: 04
Marks: 100
Duration: 60 Hours

Course Objective:

1) मध्ययुगीन तथा आधुनिक कवि एवं कविताओं से परिचित कराना।
2) मध्ययुगीन एवं आधुनिक कविताओं की समीक्षा करना।
3) काव्य सौंदर्य के अंतर्गत अलंकार, छंद से अवगत कराना।
4) काव्य सौंदर्य दृष्टि विकसित करते हुए काव्य रचना की ओर प्रेरित करना।

Course Outcome:

1) मध्ययुगीन तथा आधुनिक कवियों और उनकी कविताओं की जानकारी प्राप्त करेंगे।
2) मध्ययुगीन समाज जीवन दृष्टि और आधुनिक जीवन दृष्टि की तुलनात्मक क्षमता विकसित होगी।
3) काव्यसौंदर्य के अंतर्गत अलंकार, छंद का ज्ञान प्राप्त होगा।
4) काव्य सौंदर्य की दृष्टि विकसित होगी तथा काव्य रचना के लिए सक्षम होंगे।

Syllabus:

कविता संग्रह : हिंदी विभाग पार्वतीबाई चौगुले कॉलेज मडगांव-गोवा
(बी. ओ. एस. की सहमति के अनुसार संकलित कविता संग्रह)
काव्य सौंदर्य : अलंकार, छंद

इकाई विभाजन:

इकाई एक : **(15 Lectures)**

1. कबीर के दोहे (10 दोहे)
2. तुलसीदास के दोहे- (रामराज्य वर्णन -आरंभ के 5 दोहे एवं चौपाईयां)

3. सूर के पद (5 पद)

4. रहीम के दोहे - रहीम (10 दोहे)

इकाई दो : **(15 Lectures)**

1. जुही की कली- सूर्यकांत त्रिपाठी 'निराला'
2. सवेरे उठा तो धूप खिली थी - सच्चिदानंद हीरानंद वात्स्यायन 'अज्ञेय'
3. बीस साल बाद सुदामा पाण्डेय -'धूमिल'
4. प्रेत का बयान- नागार्जुन

इकाई तीन : **(15 Lectures)**

1. बेजगह - अनामिका।
2. बुलडोजर - राजेश जोशी।
3. अकाल में दूब - केदारनाथ सिंह।
4. हम तो इतना जानते हैं - राकेश रंजन।

इकाई चार: काव्यसौंदर्य **(15 Lectures)**

क) अलंकार -i)शब्दालंकार -अनुप्रास, यमक, श्लेष।
ii) अर्थालंकार- उपमा, रूपक, उत्प्रेक्षा।

ख) छंद - i) मात्रिक छंद- दोहा, सोरठा, चौपाई।
ii) वर्णिक छंद - इंद्रवज्रा, उपेन्द्रवज्रा, सवैया।

संदर्भ ग्रंथ

1. रामस्वरूप चतुर्वेदी, 'हिंदी कवि का इतिहास',लोकभारती प्रकाशन, इलाहाबाद, 2012
2. देवेन्द्रनाथ शर्मा,'काव्य के तत्व', लोकभारती प्रकाशन, इलाहाबाद, 2013
3. हजारीप्रसाद द्विवेदी, 'मध्यकालीन बोध का स्वरूप', राजकमल प्रकाशन, 2003
4. रामबहोरी शुक्ल, 'हिंदी प्रदीप' हिन्दी भवन, इलाहाबाद, 2010
5. भगीरथ मिश्र-'काव्यशास्त्र',विश्वविद्यालय प्रकाशन, वाराणसी, 1999
6. डॉ ब्रजकिशोर प्रसाद सिंह .-'हिंदी व्याकरण', नमन प्रकाशन, नई दिल्ली, 2009

F.Y.B.A - (Semester – II)
Core Course
Course Title : हिंदी लघुकथा
Course Code : UG-HIN- 104
Credits : 04
Marks : 100
Duration : 60 hours

Course Objective:

1) हिंदी लघुकथा की अवधारणा एवं स्वरूप, तत्व, विशेषताओं से परिचित कराना।
2) प्रमुख लघुकथाकारों का सामान्य परिचय प्राप्त कराना।
3) लघुकथाओं के माध्यम से जीवन मूल्यों से परिचित कराना।
4) लघुकथा लेखन की ओर अग्रसर कराना।

Course Outcome:

1) हिंदी लघुकथा की अवधारणा एवं स्वरूप, तत्व, विशेषताओं से परिचित होंगे।
2) प्रमुख लघुकथाकारों का सामान्य परिचय प्राप्त होगा।
3) लघुकथाओं के माध्यम से जीवन मूल्यों से परिचित, प्रभावित होंगे।
4) लघुकथा लेखन की ओर अग्रसर होंगे।

इकाई विभाजन

इकाई एक - **(15 Credits)**

हिंदी लघुकथाएँ: अवधारणा एवं स्वरूप, तत्व, विशेषताएँ

इकाई दो - **(15 Credits)**

प्रमुख लघुकथाकारों का सामान्य परिचय

इकाई तीन - **(15 Credits)**

1) प्रेमचंद - राष्ट्र का सेवक, देवी, कश्मीरी सेब।
2) यशपाल जैन - आखिरी दरवाजा, तोड़ो नहीं जोड़ो, दान का आनंद।
3) शरद जोशी - क्रमश: प्रगति, कला और प्रतिबद्धता, बुद्धिजीवियों का दायित्व।

इकाई चार- (15 Credits)

1) निधि जैन - जनरेशन गैप, डर, प्रकाश
2) पद्मजा शर्मा- खुदा, टेक केयर माँ, लगाम
3) रोहित कुमार " हैप्पी"- पारस पत्थर, पागल, स्वतन्त्रता दिवस

संदर्भ ग्रंथ:-

1) हिन्दी लघुकथा संग्रह, हिन्दी विभाग पार्वतीबाई चौगुले महाविद्यालय (स्वायत्त) (हिन्दी अध्ययन मण्डल की सहमति से) (सभी कहानियाँ हिंदी समय.कॉम और भारत दर्शन. कॉम पर उपलब्ध हैं।)
2) डॉ ,नामवर सिंह .'कहानी नयी कहानी', लोकभारती प्रकाशन 2016 ,इलाहाबाद ,
3) मधुरेश ,'हिन्दी कहानी का इतिहास' लोकभारती प्रकाशनइलाहाबाद ,, 2014
4) गोपालराय,'हिन्दी कहानी का इतिहास',राजकमल प्रकाशन,दिल्ली,2018
5) रामचंद्र तिवारी, 'हिन्दी का गद्य साहित्य',विश्वविद्यालय प्रकाशन 2016

MULTDISCIPLINARY COURSES (MDC)

F.Y.B.A/ B.Sc. (Semester – II)

MDC (Multidisciplinary Course)

Course Title: व्यावहारिक एवं रचनात्मक लेखन

Course Code: UG-HIN-MDC2
Credits: 03
Marks: 75
Duration: 45 Hours

Course Objective:

1) व्यावहारिक एवं रचनात्मक लेखन से परिचय प्राप्त कराना।
2) व्यावहारिक एवं रचनात्मक लेखन का महत्त्व एवं उपयोगिता से अवगत कराना।
3) व्यावहारिक एवं रचनात्मक लेखन के विविध रूपों का परिचय करना।
4) व्यावहारिक एवं रचनात्मक लेखन प्रक्रिया से अवगत कराना।

Course Outcome:

1) व्यावहारिक एवं रचनात्मक लेखन से परिचित होंगे।
2) व्यावहारिक एवं रचनात्मक लेखन का महत्त्व एवं उपयोगिता से अवगत होंगे।
3) व्यावहारिक एवं रचनात्मक लेखन के विविध रूपों का परिचय प्राप्त होंगे।
4) व्यावहारिक एवं रचनात्मक लेखन प्रक्रिया से अवगत होंगे।

Syllabus :

इकाई एक - व्यावहारिक एवं रचनात्मक लेखन का परिचय **(15 Credits)**
- व्यावहारिक लेखन अवधारणा एवं स्वरूप
- व्यावहारिक लेखन की आवश्यकता, महत्त्व
- व्यावहारिक लेखन के प्रकार

इकाई दो - व्यावहारिक लेखन **(15 Credits)**
- बायोडेटा / स्ववृत लेखन
- रोजगार संबंधी आवेदन पत्र
- विज्ञापन लेखन
- समाचार लेखन

इकाई तीन - रचनात्मक लेखन **(15 Credits)**

पटकथा लेखन

वार्ता लेखन

रिपोर्ताज

साक्षात्कार

(इस प्रश्नपत्र पर व्यावहारिक कार्य किया जाएगा।)

संदर्भ ग्रंथ -

1) रवीन्द्रनाथ श्रीवास्तव, भोलानाथ तिवारी, 'व्यावहारिक हिंदी', वाणी प्रकाशन, 2016
2) डॉ. कृष्णकुमार गोस्वामी, 'व्यावहारिक हिन्दी और रचना', वाणी प्रकाशन, 2005
3) डॉ. तारेश भाटिया, 'आधुनिक विज्ञापन और जनसम्पर्क', तक्षशिला प्रकाशन, 2007
4) डॉ. रामप्रकाश, डॉ. दिनेश गुप्त, 'प्रशासनिक एवं कार्यालयीन हिंदी',
5) डॉ. मधु धवन, 'विज्ञापन कला', वाणी प्रकाशन, नयी दिल्ली, 2010
6) मनोहर श्याम जोशी, 'पटकथा लेखन एक परिचय', राजकमल प्रकाशन, नयी दिल्ली, 2008
7) अरुण कुमार भगत, 'पत्रकारिता: सृजनात्मक लेखन और रचना-प्रक्रिया', नेशनल बूक ट्रस्ट, इंडिया, 2022
8) डॉ. आबिद अली, संदीप कुमार, 'मीडिया लेखन: सृजनात्मक एवं जनसंचार लेखन विधियां, 2019

SKILL ENHANCEMENT COURSE (SEC)

F.Y.B.A/B.Sc. (Semester –II)
Course Title: हिंदी एकांकी
Course Code: UG-HIN-SEC2
Credits: 03
Marks: 75
Duration: 45 Hours

Course Objective:

1) एकांकी की अवधारणा एवं स्वरूप से परिचित कराना।
2) एकांकी के उद्भव एवं विकास से अवगत कराना।
3) प्रमुख एकांकी एवं एकांकीकारों का अध्ययन कराना।
4) एकांकी प्रस्तुत करने का तंत्र समझाना।

Course Outcomes:

1) एकांकी की अवधारणा एवं स्वरूप से परिचित होंगे।
2) एकांकी के विकास और रंगमंचीयता से परिचित होंगे।
3) प्रमुख एकांकी एवं एकांकीकारों का परिचय प्राप्त होगा।
4) एकांकी लेखन कला के साथ अभिनय, संवाद एवं प्रस्तुतीकरण में निपुण होंगे।

Syllabus:

इकाई एक - सैद्धांतिक पक्ष **(15 Lectures)**
एकांकी की अवधारणा: स्वरूप एवं तत्व
एकांकी उद्भव एवं विकास

इकाई दो - ऐतिहासिक एवं सामाजिक एकांकी **(15 Lectures)**
भोर का तारा- जगदीश चंद्र माथुर
धीरे बहो गंगा- लक्ष्मी नारायण लाल।

इकाई तीन - राजनैतिक एकांकी **(15 Lectures)**
आवाज नीलाम- धर्मवीर भारती
जुलूस- कणाद ऋषि भटनागर

(निर्धारित रचनाओं का एकांकी के तत्वों के आधारपर समीक्षात्मक अध्ययन)

संदर्भ ग्रंथ-

.1गिरीश रस्तोगी,हिन्दी नाटक और रंगमंच की नई दिशाएँ,ग्रंथम प्रकाशन,कानपुर,1966

.2दशरथ ओझा,*हिन्दी नाटकउद्भव और विकास :*, दिल्ली राजपाल एण्ड सन्स,दिल्ली,2003

.3डॉपशुपतिनाथ उपाध्याय., *'हिन्दी नाटक एवं रंगमंच ',* जवाहर पुस्तकालय, मथुरा, 2009

.4नेमिचन्द्र जैन, *'रंगदर्शन',* राधाकृष्ण प्रकाशन, नई दिल्ली, 2008

.5डॉरामशरण महेंद्र .,'*एकांकी और एकांकीकार*, वाणी प्रकाशन,नई दिल्ली,2001

.6संअखिलेश कुमार मिश्र.,*'अंधेरनगरी-, भारत दुर्दशा'*,प्रयाग प्रकाशन,इलाहाबाद,1985

.7डॉसुरेन्द्र यादव ., 'एकांकी और एकांकी',राजकमल प्रकाशन,नई दिल्ली,2001

****

ABILITY ENHANCEMENT COURSES (AEC)

F.Y.B.A . (Semester – II)
AEC- (Ability Enhancement Course)
Course Title: श्रवण एवं संभाषण कौशल
Course Code: UG-HIN-AEC1
Credits: 02
Marks: 50
Duration: 30 Hours

Course Objective:

1) भाषा कौशल से अवगत कराना।
2) श्रवण कौशल का विकास करना।
3) संभाषण कला विकसित करना।
4) उत्तम श्रोता एवं वक्ता बनाना।

Course Outcome:

1) भाषा कौशल से अवगत होंगे।
2) श्रवण क्षमता का विकास होगा।
3) संभाषण कला विकसित होगी।
4) उत्तम श्रोता एवं वक्ता बनने में सक्षम होंगे।

Syllabus:

इकाई एक- श्रवण कौशल। **(15 Lectures)**

1. श्रवण कौशल का स्वरूप।
2. श्रवण कौशल का महत्त्व।
3. श्रवण कौशल के उद्देश्य।
4. श्रवण कौशल की विशेषताएँ।
5. श्रवण कौशल के सुधार के उपाय।

इकाई दो- संभाषण कौशल। **(15 Lectures)**

1. संभाषण कौशल का स्वरूप।
2. संभाषण कौशल का महत्त्व।
3. संभाषण कौशल के उद्देश्य।
4. संभाषण कौशल की विशेषताएँ।
5. संभाषण कौशल के सुधार के उपाय।

(नोट : इस प्रश्न पत्र पर विद्यार्थियों से कौशल आधारित कार्य कराया जाएगा।)

संदर्भ ग्रंथ

1. हिंदी का सही प्रयोग - नीलम मान, तक्षशिला प्रकाशन, नई दिल्ली, वर्ष 2005
2. भानुशंकर मेहता, 'बोलने की कला',विश्वविद्यालय प्रकाशन, वाराणसी, 2013
3. रामचंद्र वर्मा,'अच्छी हिंदी', लोकभारती प्रकाशन, इलाहाबाद,2008
4. शशिबाला-'हिंदी शिक्षण विधियाँ',डिस्कवरी पब्लिशिंग हाउस, नई दिल्ली,2006

VALUE ADDED COURSES (VAC)

F.Y.B.A/B.Sc. (Semester – II)

VAC (Value Added Course)

Course Title: गोवा प्रदेश और पर्यटन

Course Code: UG-HIN-VAC3

Credits: 02

Marks: 50

Duration: 30 Hours

Course Objective:

1) गोवा प्रदेश की ऐतिहासिक, सांस्कृतिक, सामाजिक, भौगोलिक पृष्ठभूमि से परिचित कराना।
2) पर्यटन के महत्त्व एवं आवश्यकता से अवगत कराना।
3) प्रमुख पर्यटन स्थलों से अवगत कराना।
4) पर्यटन में रोजगार के अवसर को उपलब्ध कराना।

Course Outcome:

1) गोवा प्रदेश की ऐतिहासिक, सांस्कृतिक, सामाजिक, भौगोलिक पृष्ठभूमि से परिचित होंगे।
2) पर्यटन के महत्त्व एवं आवश्यकता से अवगत होंगे।
3) प्रमुख पर्यटन स्थलों से अवगत होंगे।
4) पर्यटन में रोजगार के अवसर को उपलब्ध कराना।

Syllabus:

इकाई एक - गोवा प्रदेश : सामान्य परिचय **(15 Credits)**

- गोवा प्रदेश - ऐतिहासिक, सांस्कृतिक, सामाजिक, भौगोलिक परिवेश।
- पर्यटन का आशय एवं क्षेत्र
- पर्यटन का आर्थिक एवं सामाजिक महत्त्व
- पर्यटन में रोजगार के अवसर

इकाई दो - गोवा के प्रमुख पर्यटन स्थल **(15 Credits)**

- ऐतिहासिक पर्यटन स्थल
- धार्मिक एवं सांस्कृतिक पर्यटन स्थल
- पर्यटन में स्थानीय भाषा, संस्कृति एवं त्योहार

- पर्यटन: सकारात्मक एवं नकारात्मक प्रभाव

संदर्भ ग्रंथ-

1) डॉ. अनंत आर.धूमे, 'गोवा का सांस्कृतिक इतिहास',सह्याद्रि बुक्स
2) भिवा परब, 'गोवा की सांस्कृतिक विरासत',2020
3) लेखक-ओलिविहों जे. एफ. गोम्स, अनुवाद- चन्द्रमौलि मणि, 'गोवा'
4) संपा. जयंती नायक, 'गोवा की लोक कथाएँ', प्रभात प्रकाशन,2021
5) Alfred F. Braganza, 'Goa History & Culture', Third Millennium, 2017
6) Kamla Mankekar,Culture & Religious Traditions in Temples of Goa, Publications Division, Government of India, 2004

****

SEMESTER III

S.Y.B.A - (Semester – III)
Core Course
Course Title: हिंदी नाटक, वृत्तचित्र एवं फीचर फिल्म
Course Code: UG-HIN-201
Marks: 100
Credit: 4 (60 Lectures)

Course Objective

1) नाटक की अवधारणा, स्वरूप एवं तत्वों (नाट्य परंपरा) से परिचित कराना।
2) असगर वजाहत एवं उनके रचना संसार से अवगत कराना।
3) 'जिस लाहौर नइ देख्या ओ जम्याइ नई नाटक 'के माध्यम से सांप्रदायिक सद्भाव एवं मानवीय मूल्यों को समझाना।
4) वृत्तचित्र एवं फीचर लेखन के सैद्धांतिक पक्ष तथा उसके अंतर को स्पष्ट करना।

Course Outcome:

1) नाटक की अवधारणा, स्वरूप एवं तत्वों (नाट्य परंपरा) से परिचित होंगे।
2) असगर वजाहत एवं उनके रचना संसार से अवगत होंगे।
3) 'जिस लाहौर नई देख्या ओ जम्याइ नई नाटक 'के माध्यम से सांप्रदायिक सद्भाव एवं मानवीय मूल्यों को समझने में सक्षम होंगे।
4) वृत्तचित्र एवं फीचर लेखन के सैद्धांतिक पक्ष तथा उसके अंतर को समझने में सक्षम होंगे।

Syllabus:

इकाई विभाजन :

इकाई एक- नाटक की अवधारणा, स्वरूप एवं तत्व। **(15 Lectures)**
इकाई दो - 'जिस लाहौर नई देख्या वो जम्याइ नई' का पाठ्यालोचन। **(15 Lectures)**
इकाई तीन - 'जिस लाहौर नई देख्या वो जम्याइ नई' का समीक्षात्मक अध्ययन। **(15 Lectures)**
इकाई चार- वृत्तचित्र एवं फीचर फिल्म : अवधारणा, विशेषताएँ एवं अंतर। **(15 Lectures)**

संदर्भ ग्रंथ

1. दशरथ ओझा, 'हिन्दी नाटक का विकास',राजपाल एण्ड सन्स, नयी दिल्ली,2003
2. के. वी. नारायण कुरूप, साठोत्तर हिन्दी नाटक- लोकभारती प्रकाशन,इलाहाबाद, 2007
3. सत्यदेव त्रिपाठी, समकालीन फिल्मों के आईने में समाज-शिल्पायन प्रकाशन,दिल्ली, 2013
4. सं.डॉ.शैलजा भारद्वाज, साहित्य और सिनेमा-चिंतन प्रकाशन,कानपुर, 2013
5. हरीश कुमार, सिनेमा और साहित्य संजय प्रकाशन,दिल्ली,2010
6. मनोहर श्याम जोशी, 'पटकथा लेखन', राजकमल प्रकाशन,दिल्ली, 2002

F.Y.B.A - (Semester – III)
Core Course

Core Course Title: हास्य-व्यंग्य निबंध एवं पत्रकारिता
Course Code: UG-HIN-202

Marks: 100
Credit: 4 (60 Lectures)

Course Objectives:

1) निबंध विधा का परिचय कराते हुए हास्य-व्यंग्य की अवधारणा तथा स्वरूप को समझाना।
2) हास्य-व्यंग्य निबंध एवं निबंधकारों से अवगत कराना।
3) पत्रकारिता का सामान्य परिचय कराना।
4) पत्रकारिता की उपयोगिता एवं महत्व को समझाना।

Course Outcome:

1) निबंध विधा का परिचय कराते हुए हास्य-व्यंग्य की अवधारणा तथा स्वरूप को समझेंगे ।
2) हास्य-व्यंग्य निबंध एवं निबंधकारों से अवगत होंगे।
3) पत्रकारिता का सामान्य परिचय प्राप्त करेंगे।
4) पत्रकारिता की उपयोगिता एवं महत्व को समझेंगे।

Syllabus:

इकाई एक - **(15 Lectures)**

1. हास्य एवं व्यंग्य की अवधारणा एवं स्वरूप।
2. हास्य एवं व्यंग्य के तत्त्व।
3. हास्य एवं व्यंग्य में अंतरसंबंध।

इकाई दो - **(15 Lectures)**

1. नया साल- अमृतराय।
2. अपना मकान- इंद्रनाथ मदान।
3. पगडंडियों का जमाना- हरिशंकर परसाई।
4. मोची भया उदास -प्रेम जनमेजय

इकाई तीन - **(15 Lectures)**

1. अध्यक्ष महोदय -शरद जोशी ।
2. घूस एक चिकनाई है- रवीद्र कालिया।
3. धमाका- अभिमन्यु अनत।
4. अच्छी हिन्दी - रवीन्द्र नाथ त्यागी

इकाई चार - **(15 Lectures)**

1. पत्रकारिता का सामान्य परिचय।

2. पत्रकारिता के भेद।

3. पत्रकारिता की उपयोगिता एवं महत्त्व।

संदर्भ ग्रंथ

1. डॉ.बालेन्दु शेखर तिवारी,'हिन्दी का स्वातंत्र्योत्तर हास्य और व्यंग्य',अन्नपूर्णा प्रकाशन, कानपुर,1978
2. डॉ. प्रेमनारायन टंडन,'हिन्दी साहित्य में हास्य-व्यंग्य',हिन्दी साहित्य भंडार,लखनऊ,1975
3. डॉ. *उषा शर्मा,'हिन्दी निबंध साहित्य में व्यंग्य'*,आत्माराम एण्ड सन्स कश्मीरी गेट, दिल्ली, 1985
4. प्रयोजनमूलक हिन्दी - विनोद गोदरे, वाणी प्रकाशन, नई दिल्ली, वर्ष 2007
5. डॉ.माधव सोनटक्के,'प्रयोजनमूलक हिन्दी', लोकभारती प्रकाशन, इलाहाबाद,2008
6. कैलाशचंद्र पाण्डेय, 'प्रयोजनमूलक हिन्दी की नयी भूमिका', लोकभारती प्रकाशन,इलाहाबाद, 2007

S.Y.B.A - (Semester – III)
Core Course
Course Title: हिंदी निबंध
Course Code: UG-HIN-203
Marks: 100
Credits: 04 (60 Lectures)

Course Objective :

1) विद्यार्थी निबंध के स्वरूप, तत्व, भेद तथा विकासक्रम को समझाना।
2) हिंदी के प्रमुख निबंधकार एवं उनके निबंधों से अवगत कराना।
3) कन्हैयालाल मिश्र प्रभाकर एवं उनके निबंधों का मार्मिक अध्ययन कराना ।
4) निर्धारित निबंधों का समीक्षात्मक विवेचन कराना तथा निबंध लेखन की ओर अग्रसर कराना।

Course Outcome -

1) विद्यार्थी निबंध के स्वरूप, तत्व, भेद तथा विकासक्रम की जानकारी प्राप्त करेंगे।
2) हिंदी के प्रमुख निबंधकार एवं उनके निबंधों से अवगत होंगे।
3) कन्हैयालाल मिश्र प्रभाकर एवं उनके निबंधों का मार्मिक अध्ययन करने में सक्षम होंगे।
4) निर्धारित निबंधों का समीक्षात्मक विवेचन कर सकेंगे तथा निबंध लेखन की ओर अग्रसर होंगे।

Syllabus:

इकाई एक - **(15 Lectures)**

निबंध: स्वरूप, तत्व एवं भेद।

इकाई दो - **(15 Lectures)**

1) गेंहु बनाम गुलाब - रामवृक्ष बेनीपुरी
2) नाखून क्यों बढ़ते हैं? **-** हजारी प्रसाद द्विवेदी
3) जादू की सरकार **-** शरद जोशी
4) मेरे राम का मुकुट भीग रहा है -विद्यानिवास मिश्र

इकाई तीन - **(15 Lectures)**

ज़िंदगी मुस्कुराई कन्हैयालाल मिश्र -'प्रभाकर'(कोई पाँच)

इकाई चार - **(15 Lectures)**

निर्धारित निबंधों का समीक्षात्मक विवेचन।

संदर्भ ग्रंथ-

1. डॉ गणपतिचन्द्र गुप्त ,*'साहित्यिक निबंध',* लोकभारती प्रकाशन, इलाहाबाद, 1981
2. डॉ. भोलानाथ तिवारी ,*'हिंदी साहित्य'* हिंदी परिषद, प्रकाशन प्रयाग, 1971
3. डॉ. रामचन्द्र शुक्ल,*'हिंदी साहित्य का इतिहास',* नागरी प्रचारिणी सभा, काशी, 1961
4. डॉ. बच्चन सिंह, '*आधुनिक हिंदी साहित्य का इतिहास'*, लोकभारती प्रकाशन, इलाहाबाद, 2005
5. डॉ. नगेंद्र, डॉ. हरदयाल *'हिंदी साहित्य का इतिहास',* मयूर पेपरबैक्स, 2014

S.Y.B.A/B.Sc. - (Semester – III)

Multidiciplinary Course

Course Title: लोक साहित्य

Course Code: UG-HIN-MDC3

Marks: 75

Credits: 03 (45 Lectures)

Course Objective:

1) लोक साहित्य की अवधारणा एवं स्वरूप से परिचित कराना।
2) लोक और साहित्य के अंत: संबंध, लोक साहित्य के अध्ययन की समस्याओं से अवगत कराना।
3) लोक साहित्य के इतिहास और उसके प्रमुख रूपों के वर्गीकरण को स्पष्ट करना।
4) लोक संस्कृति, लोक नृत्य एवं लोक संगीत को समझाना।

Learning Outcome:

1) लोक साहित्य की अवधारणा एवं स्वरूप से परिचित होंगे।
2) लोक और साहित्य के अंत:संबंध, लोक साहित्य के अध्ययन की समस्याओं से अवगत होंगे।
3) लोक साहित्य के इतिहास और उसके प्रमुख रूपों के वर्गीकरण को स्पष्ट कर सकेंगे।
4) लोक संस्कृति, लोक नृत्य एवं लोक संगीत को समझने में सक्षम होंगे।

Syllabus:

इकाई एक - **(15 Lectures)**

लोक साहित्य की अवधारणा
लोक संस्कृति और साहित्य
साहित्य और लोक का अंतः सम्बन्ध
लोक साहित्य के अध्ययन की समस्याएँ

इकाई दो - **(15 Lectures)**

लोक गीत - संस्कारगीत, व्रतगीत, श्रमगीत, ऋतुगीत, जातिगीत
लोक कथा: व्रतकथा, पशुकथा, परिकथा, अद्भुत कथा, नाग कथा

इकाई तीन - **(15 Lectures)**

लोकनृत्य - गर्भा, भंघड़ा, लावणी, फुगड़ी, धालो, मांडों

लोकनाट्य - रामलीला, रासलीला, कीर्तनियाँ, विदेशिया, नौटंकी

लोकभाषा : लोक संभाषित मुहावरे, कहावते, लोकोक्तियाँ, पहेलियाँ

संदर्भ ग्रंथ -

1) डॉ. श्री राम शर्मा, लोकसाहित्य सिद्धान्त एवं परंपरा, साहित्य सरोवर प्रकाशन, आगरा, 2020
2) डॉ. राजेश्वर प्रसाद चतुर्वेदी, लोक साहित्य, हरीश प्रकाशन मंदिर, प्रताप नगर आगरा 2021
3) डॉ. विश्वंभर पाण्डेय, भारतीय लोक साहित्य एवं संस्कृति, ओम प्रकाशन, जयपुर राजस्थान, 2017
4) डॉ. सत्येंद्र, लोक साहित्य विज्ञान, आर प्रकाशन, 2017
5) श्याम परमार, भारतीय लोक साहित्य, राजकमल प्रकाशन, नई दिल्ली- 1954
6) डॉ.कुंदनलाल उप्रेती, लोक साहित्य के प्रतिमान, भारत प्रकाशन मंदिर,अलीगढ़ 1971

S.Y.B.A - (Semester – III)

AEC- **Ability Enhancement Course**

Course Title: वाचन एवं लेखन कौशल

Course Code: UG-HIN-AEC2

Marks: 50

Credits: 02 (30 Lectures)

Course Objective:

इस पाठ्यक्रम के माध्यम से-

1) वाचन कौशल के स्वरूप, महत्व एवं आवश्यकता समझाना।
2) हिंदी भाषा के व्यवहार में सक्षम बनाना।
3) लेखन कला के स्वरूप, महत्व एवं आवश्यकता से अवगत कराना।
4) सृजनात्मक लेखन कला की ओर प्रेरित कराना।

Course Outcome:

1) वाचन कौशल का स्वरूप, महत्व एवं आवश्यकता से अवगत होंगे।
2) हिंदी भाषा के व्यवहार में सक्षम बनेंगे।
3) लेखन कला के स्वरूप, महत्व एवं आवश्यकता से अवगत होंगे।
4) सृजनात्मक लेखन कला में सक्षम होंगे।

Syllabus:

इकाई एक -वाचन कौशल। (15 Lectures)

1. वाचन कौशल का स्वरूप।
2. वाचन कौशल का महत्त्व।
3. वाचन कौशल के उद्देश्य।
4. वाचन कौशल की विशेषताएँ।
5. वाचन कौशल के सुधार के उपाय।

इकाई दो - लेखन कौशल। (15 Lectures)

1. लेखन कौशल का स्वरूप।

2. लेखन कौशल का महत्त्व।
3. लेखन कौशल के उद्देश्य।
4. लेखन कौशल की विशेषताएँ।
5. लेखन कौशल के सुधार के उपाय।

(**नोट** : इस प्रश्न पत्र पर विद्यार्थियों से कौशल आधारित कार्य कराया जाएगा।)

संदर्भ ग्रंथ

1. नीलम मान, हिंदी का सही प्रयोग -तक्षशिला प्रकाशन, नई दिल्ली, वर्ष 2005
2. भानुशंकर मेहता, 'बोलने की कला',विश्वविद्यालय प्रकाशन,वाराणसी, 2013
3. ईश्वरचंद राही, 'लेखन कला का इतिहास',उत्तरप्रदेश हिंदी संस्थान,लखनऊ,1983
4. रामचंद्र वर्मा,'अच्छी हिंदी ', लोकभारती प्रकाशन, इलाहाबाद,2008
5. शशिबाला-'हिंदी शिक्षण विधियाँ',डिस्कवरी पब्लिशिंग हाउस,नई दिल्ली,2006

(नोट - वाचन एवं लेखन कौशल से जुड़े विभिन्न रोजगार क्षेत्रों की विद्यार्थियों को जानकारी दी जाएगी)

S.Y.B.A/B.Sc. - (Semester – III)

SEC (Skill Enhancement Course)

Course Title: हिंदी साहित्य और सिनेमा

Course Code: UG-HIN-SEC3

Marks: 75

Credits: 03 (45 Lectures)

Course Objective:

1) हिंदी सिनेमा की अवधारणा एवं स्वरूप से परिचित कराना।
2) साहित्य और सिनेमा के अंतर्संबंध से अवगत कराना
3) साहित्य पर आधारित फिल्मों का अध्ययन कराना।
4) साहित्य से फिल्मांतरण की प्रक्रिया को समझाना।

Course Outcome:

1) हिंदी सिनेमा की अवधारणा एवं स्वरूप से परिचित होंगे।
2) साहित्य और सिनेमा के अंतर्संबंध से अवगत होंगे।
3) साहित्य पर आधारित फिल्मों का अध्ययन करने में सक्षम होंगे।
4) साहित्य से फिल्मांतरण की प्रक्रिया को समझने में सक्षम होंगे।

Syllabus:

इकाई एक - हिंदी सिनेमा: अवधारणा एवं स्वरूप (15 Lectures)
सिनेमा का उद्भव एवं विकास

इकाई दो - साहित्य और सिनेमा का अंत:संबंध (15 Lectures)
साहित्य का फिल्मांतरण और उसकी समस्याएं

इकाई तीन - निर्धारित/चयनित फिल्मों का अध्ययन (15 Lectures)

1. शतरंज के खिलाड़ी
2. रजनीगंधा
3. गोडसे@गांधी.कॉम
4. टोबा टेक सिंह

संदर्भ ग्रंथ-

1) संजीव श्रीवास्तव, 'हिंदी सिनेमा का इतिहास', प्रकाशन विभाग,2004
2) विनोद भारद्वाज , 'सिनेमा: कल आज और कल' ,वाणी प्रकाशन, 2005
3) जवरीमल्ल पारेख, 'हिंदी सिनेमा का समाजशास्त्र', ग्रन्थ शिल्पी, 2006
4) संजीव श्रीवास्तव, 'समय,सिनेमा और इतिहास', प्रकाशन विभाग,2014
5) जवरीमल्ल पारख, 'लोकप्रिय सिनेमा और सामजिक यथार्थ', अनामिका पब्लिशर्स 2019
6) दिलचस्प, हिंदी सिनेमा के सौ वर्ष, भारतीय पुस्तक परिषद,नई दिल्ली 2009
7) राही मासूम रजा, 'सिनेमा और संस्कृति', वाणी प्रकाशन,दरियागंज, नई दिल्ली 2020

SEMESTER IV

S.Y.B.A - (Semester – IV)
Core Course
Course Title: हिंदी साहित्य का इतिहास (आदिकाल, भक्तिकाल एवं रीतिकाल)
Course Code: UG-HIN-204
Marks: 100
Credits: 04 (60 Lectures)

Course Objective:

1) हिंदी साहित्य का काल विभाजन समझाना तथा काव्य धाराओं का परिचय कराना।
2) हिंदी साहित्य की आदिकालीन परिस्थितियों एवं विभिन्न काव्य प्रवृत्तियों से अवगत कराना।
3) भक्ति आंदोलन की परिस्थितियाँ, परिवेश तथा काव्य प्रवृत्तियों से परिचित कराना।
4) रीतिकालीन परिवेश एवं प्रवृत्तियों का ज्ञान कराना।

Course Outcome:

1) हिंदी साहित्य का काल विभाजन समझाना तथा काव्य धाराओं का परिचय होगा।
2) हिंदी साहित्य की आदिकालीन परिस्थितियों एवं विभिन्न काव्य प्रवृत्तियों से अवगत होंगे।
3) भक्ति आंदोलन की परिस्थितियाँ, परिवेश तथा काव्य प्रवृत्तियों से परिचित होंगे।
4) रीतिकालीन परिवेश एवं प्रवृत्तियों का ज्ञान प्राप्त होगा।

Syllabus:

इकाई एक - आदिकाल **(15 Lectures)**

आदिकालीन साहित्य की परिस्थितियाँ, रासो काव्य परंपरा, सिद्ध, जैन एवं नाथ काव्य परंपरा का सामान्य परिचय एवं प्रवृत्तियाँ।

इकाई दो- भक्ति आंदोलन एवं परिस्थितियाँ **(15 Lectures)**

भक्ति आंदोलन
भक्ति साहित्य की परिस्थितियाँ

इकाई तीन- निर्गुण एवं सगुण भक्तिकाव्य **(15 Lectures)**

संत एवं सूफी काव्य का सामान्य परिचय एवं प्रवृत्तियाँ।
राम एवं कृष्ण भक्ति काव्य का सामान्य परिचय एवं प्रवृत्तियां।

इकाई चार- रीतिकाल **(15 Lectures)**

रीतिकालीन साहित्य की परिस्थितियाँ और रीतिबद्ध, रीतिसिद्ध एवं रीतिमुक्त काव्य का सामान्य परिचय एवं प्रवृत्तियाँ।

संदर्भ ग्रंथ:

1) डॉ . बच्चन सिंह, 'हिंदी साहित्य का दूसरा इतिहास', राधाकृष्ण प्रकाशन, नयी दिल्ली, 2015
2) डॉ . विजयपाल सिंह, 'हिंदी साहित्य का समीक्षात्मक इतिहास', राधाकृष्ण प्रकाशन,नयी दिल्ली, 2011
3) डॉ. नगेंद्र, रामकुमार वर्मा, 'हिंदी साहित्य का आलोचनात्मक इतिहास', लोकभारती प्रकाशन, इलाहाबाद, 2010
4) आचार्य रामचंद्र शुक्ल, 'हिंदी साहित्य का इतिहास',प्रभात प्रकाशन,दिल्ली,2006
5) डॉ . शिवकुमार शर्मा, 'हिंदी साहित्य युग और प्रवृत्तियाँ' , अशोक प्रकाशन, नई सड़क,दिल्ली,1986
6) रामकिशोर शर्मा, 'हिंदी साहित्य का समग्र इतिहास,' लोकभारती प्रकाशन, प्रयागराज, 2009
7) विजयेन्द्र स्नातक, 'हिंदी साहित्य का इतिहास', साहित्य अकादमी, नई दिल्ली, 2009

S.Y.B.A - (Semester – IV)
Core Course
Course Title: मध्यकालीन काव्य (चयनित कविताएँ)
Course Code: UG-HIN-205
Marks: 100
Credits: 04 (60 Lectures)

Course Objective:

1) सगुण भक्ति काव्य एवं निर्गुण भक्ति परंपरा और उनकी दार्शनिक मान्यताओं से अवगत कराना।
2) मध्यकालीन काव्य की प्रासंगिकता से परिचित कराना।
3) मीरा के माध्यम से मध्यकालीन नारी जीवन और सामंती व्यवस्था से उसके प्रतिरोध के स्वर को समझाना।
4) रीतिकालीन शृंगारिक काव्य एवं अभिव्यंजना कौशल को समझाना।

Course Outcome:

1) सगुण भक्ति काव्य एवं निर्गुण भक्ति परंपरा और उनकी दार्शनिक मान्यताओं से अवगत कराना।
2) मध्यकालीन काव्य की प्रासंगिकता से परिचित कराना।
3) मीरा के माध्यम से मध्यकालीन नारी जीवन और सामंती व्यवस्था से उसके प्रतिरोध के स्वर को समझाना।
4) रीतिकालीन शृंगारिक काव्य एवं अभिव्यंजना कौशल को समझाना।

Syllabus:

इकाई एक -	कबीर और जायसी।	**15 Lectures**
इकाई दो -	सूरदास और तुलसीदास।	**15 Lectures**
इकाई तीन -	भूषण और मीराबाई।	**15 Lectures**
इकाई चार -	बिहारी और घनानंद ।	**15 Lectures**

(प्रत्येक के 5 चयनित पदों की व्याख्या) (कबीर एवं बिहारी के चयनित 10 दोहे)

संदर्भ ग्रंथ-

1) विश्वंभर 'मानव', 'प्राचीन कवि', लोकभारती प्रकाशन, इलाहाबाद, नयी दिल्ली, 2009

2) संआचार्य रामचन्द्र शुक्ल .,*जायसी ग्रंथावली-* ना.स.प्र., वाराणसी,1995

3) विश्वनाथ त्रिपाठी, 'मीरा का काव्य,' वाणी प्रकाशनए-21-,दरियागंज,नयी दिल्ली,2010

4) श्री जगन्नाथदास .'रत्नाकर', 'बिहारी रत्नाकर,' लोकभारती प्रकाशन, इलाहाबाद, नयी दिल्ली,2015

5) डॉ. शिवकुमार शर्मा, 'हिंदी साहित्य: युग और प्रवृतियाँ', अशोक प्रकाशन,नयी सड़क,दिल्ली,1986

6) कल्याण सिंह शेखावत, 'मीरा ग्रंथावली भाग-1, 2', वाणी प्रकाशन, नयी दिल्ली, 2001

7) डॉ. सी.एल. प्रभात, 'मीरा जीवन और काव्य', राजस्थानी ग्रन्थगार, जोधपुर 1999

8) रघुवंश, 'जायसी एक नयी दृष्टि', लोकभारती प्रकाशन, इलाहाबाद, 2008

9) रघुवंश, 'कबीर एक नयी दृष्टि', लोकभारती प्रकाशन, इलाहाबाद, 2015

10) डॉ. विजय प्रकाश मिश्र, 'हिंदी के प्रतिनिधि कवि', विद्या प्रकाशन, कानपुर, 2000

S.Y.B.A - (Semester – IV)

Core Course

Course Title: प्रयोजनमूलक हिंदी : अनुवाद एवं पत्र लेखन

Course Code: UG-HIN-206

Marks: 100

Credits: 04 (60 Lectures)

Course Objective:

1) प्रयोजनमूलक हिंदी अर्थ, विविध क्षेत्र तथा रोजगार के अवसरों से परिचित कराना।
2) राजभाषा संबंधी प्रमुख प्रावधानों की जानकारी देना।
3) अनुवाद का स्वरूप, प्रकार एवं अनुवाद कला से अवगत कराना।
4) व्यावसायिक एवं कार्यालयीन पत्र लेखन से परिचित कराना।

Course Outcome:

1) प्रयोजनमूलक हिंदी अर्थ, विविध क्षेत्र तथा रोजगार के अवसरों से परिचित होंगे।
2) राजभाषा संबंधी प्रमुख प्रावधानों को समझने में सक्षम होंगे।
3) अनुवाद का स्वरूप, प्रकार को समझकर अनुवाद कार्य करने में सक्षम होंगे।
4) व्यावसायिक एवं कार्यालयीन पत्र लेखन में निपुण होंगे।

Syllabus:

इकाई एक- (15 Lectures)

1) प्रयोजनमूलक हिंदी का सामान्य परिचय।
2) प्रयोजनमूलक हिंदी के विविध क्षेत्र
3) प्रयोजनमूलक हिंदी और रोजगार के अवसर

इकाई दो - (15 Lectures)

1. राजभाषा के रूप में हिंदी का विकास।
2. राजभाषा संबंधी प्रमुख प्रावधान

इकाई तीन- अनुवाद लेखन (15 Lectures)

1. अनुवाद : अवधारणा एवं स्वरूप
2. अनुवाद के प्रकार
3. अनुवाद का व्यावहारिक पक्ष

इकाई चार - पत्र लेखन (15 Lectures)

1. व्यावसायिक पत्र: पूछताछ, क्रयादेश, अनुस्मारक, शिकायती पत्र।
2. कार्यालयीन पत्रलेखन: कार्यालय ज्ञापन, कार्यालय आदेश, परिपत्र, कार्यवृत्त।

संदर्भ ग्रंथ

1. डॉ. अंबादास देशमुख ,'प्रयोजनमूलक हिंदी अधुनातन आयाम', शैलजा प्रकाशन, कानपुर, 2006
2. विनोद गोदरे ,'प्रयोजनमूलक हिंदी ', वाणी प्रकाशन, नई दिल्ली, 2007
3. डॉ माधव सोनटक्के,'प्रयोजनमूलक हिंदी ', लोकभारती प्रकाशन,इलाहाबाद,2008
4. कैलाशचंद्र पाण्डेय, 'प्रयोजनमूलक हिंदी की नयी भूमिका', लोकभारती प्रकाशन,इलाहाबाद, 2007
5. डॉ. अर्जुन चव्हाण, मीडिया कालीन हिंदी स्वरूप: और संभावनाएँ,राधाकृष्ण प्रकाशन,दिल्ली,2005
6. जितेंद्र गुप्त,पत्रकारिता में अनुवाद, राधाकृष्ण प्रकाशन,दिल्ली,2006
7. डॉ. अजयप्रकाश, डॉ. रमेशवर्मा, डॉ. योगेन्द्र प्रताप सिंह, 'प्रयोजनमूलक हिंदी ', समवेत रामबाग, कानपुर, 2005
8. डॉ. अनिल कुमार तिवारी, 'सरकारी कार्यालयों व बैंकों में प्रयोजनशील हिंदी', विश्वभारती प्रकाशन, नागपुर, 2004
9. प्रो. विराज एम. ए., 'प्रामाणिक आलेखन और टिप्पण', राजपाल एण्ड सन्ज, दिल्ली, 1978
10. प्रा. विकास पाटिल, 'हिंदी भाषा में रोजगार के अवसर', ए. बी. एस. पब्लिकेशन, वाराणसी, 2019
11. डॉ. सुरेश सिहल, 'अनुवाद, अवधारणा और आयाम', संजय प्रकाशन, नयी दिल्ली, 2006

S.Y.B.A - (Semester – IV)
Core Course
Course Title: विशेष अध्ययन : हिंदी कहानी
Course Code: UG-HIN-207
Marks: 100
Credits: 04 (60 Lectures)

Course Objective:

1) हिंदी कहानी की अवधारणा, स्वरूप, तत्व एवं उसकी विकासयात्रा को समझाना।
2) प्रेमचंद की कहानी कला से अवगत कराना।
3) फणीश्वरनाथ रेणु की आंचलिक कहानियों से परिचित कराना।
4) हिंदी कहानी में सूर्यबाला के योगदान से अवगत कराना।

Course Outcomes:

1) हिंदी कहानी की अवधारणा, स्वरूप, तत्व एवं उसकी विकासयात्रा को समझेंगे ।
2) प्रेमचंद की कहानी कला से अवगत होंगे।
3) फणीश्वरनाथ रेणु की कहानियों से परिचित होंगे।
4) हिंदी कहानी में सूर्यबाला के योगदान से अवगत होंगे।

Syllabus:

इकाई एक - (15 Lectures)

कहानी : स्वरूप एवं तत्व

इकाई दो - मुंशी प्रेमचंद की तीन कहानियाँ (15 Lectures)

1. बूढ़ी काकी
2. रामलीला
3. सद्गति

इकाई तीन -फणीश्वरनाथ रेणु की तीन कहानियाँ (15 Lectures)

1. पंचलाइट
2. लालपान की बेगम
3. ठेस

इकाई चार -सूर्यबाला की तीन कहानियाँ (15 Lectures)

1. आखिरी विदा
2. बाऊजी और बंदर
3. होगी जय, होगी जय! हे पुरुषोत्तम नवीन...

संदर्भ ग्रंथ -

1. डॉ. नगेन्द्र, 'हिन्दी साहित्य का इतिहास', नेशनल पब्लिशिंग हाउस, दरियागंज, दिल्ली,1973
2. बच्चन सिंह,'हिन्दी साहित्य का दूसरा इतिहास',राजकमल प्रकाशन, नयी दिल्ली,2004
3. रामस्वरूप चतुर्वेदी,'हिन्दी साहित्य और संवेदना का विकास', लोकभारती प्रकाशन, इलाहाबाद, 2005
4. डॉ. फणीश सिंह,'हिन्दी साहित्य: एक परिचय,राजकमल प्रकाशन, इलाहाबाद, 2006
5. गोपाल राय,'हिन्दी कहानी का इतिहास,'राजकमल प्रकाशन, इलाहाबाद, 2008
6. डॉ.सूर्यबाला की 21 श्रेष्ठ कहानियाँ, डायमंड पब्लिकेशन,दिल्ली 2018

S.Y.B.A/B.Sc. - (Semester – IV)
VOC (Vocational Course)
Course Title: अनुवाद : सिद्धांत एवं व्यवहार
Course Code: UG- HIN-VOC-1
Marks: 100
Credits: 04 (60 Lectures)

Course Objective -

1) अनुवाद का स्वरूप, महत्त्व एवं उसकी आवश्यकता को समझाना।
2) अनुवाद के प्रकार एवं प्रक्रिया से अवगत कराना।
3) अनुवाद के क्षेत्र एवं उसकी समस्याओं से परिचित कराना।
4) अनूदित कृतियों का समीक्षात्मक अध्ययन कराना।

Course Outcome -

1) अनुवाद का स्वरूप, महत्त्व एवं उसकी आवश्यकता को समझेंगे।
2) अनुवाद के प्रकार एवं प्रक्रिया से अवगत होंगे।
3) अनुवाद के क्षेत्र एवं उसकी समस्याओं से परिचित होंगे।
4) अनूदित कृतियों का समीक्षात्मक अध्ययन करने में सक्षम होंगे।

Syllabus

इकाई एक - (15 Lectures)

अनुवाद : अवधारणा एवं स्वरूप
अनुवाद कार्य की आवश्यकता एवं महत्त्व
बौद्धिक-सांस्कृतिक आदान-प्रदान (वर्तमान समय) में अनुवाद की भूमिका

इकाई दो - (15 Lectures)

अनुवाद के प्रकार - शाब्दिक अनुवाद, भावानुवाद, छायानुवाद, सारानुवाद, आशु अनुवाद
कार्यालयीन अनुवाद, वाणिज्यिक अनुवाद।
अनुवाद की प्रक्रिया

इकाई तीन - (15 Lectures)

अनुवाद के क्षेत्र

अनुवाद की समस्याएँ

इकाई चार- (15 Lectures)

अनूदित कृति का व्यावहारिक पक्ष

कोंकणी से हिंदी में अनूदित दो कविताएँ एवं दो कहानियाँ

संदर्भ सूची :-

1) डॉ. सुरेश सिहल, 'अनुवाद, अवधारणा और आयाम', संजय प्रकाशन, नयी दिल्ली, 2006
2) जितेंद्र गुप्त,पत्रकारिता में अनुवाद, राधाकृष्ण प्रकाशन,दिल्ली,2006 डॉ.
3) बालेन्दु शेखर तिवारी, 'अनुवाद विज्ञान', प्रकाशन संस्थान, 2011
4) भोलानाथ तिवारी, 'अनुवाद विज्ञान: सिद्धान्त एवं प्रविधि', किताबघर प्रकाशन, दरयागंज, नई दिल्ली, 2019
5) डॉ. संजीव कुमार जैन, 'अनुवाद विज्ञान', कैलाश पुस्तक सदन, भोपाल, मध्यप्रदेश,2019